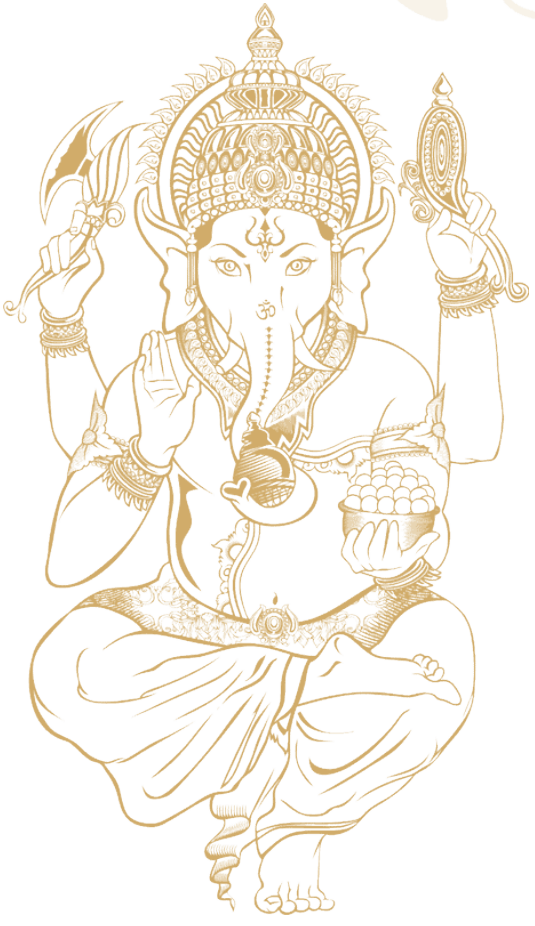

Raj Yadav

10 Feb 2001

01:35 PM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121901105

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**10/02/2001**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**13:35:00 घंटे**
इष्ट	16:41:39 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:19:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:16 घंटे
साम्पातिक काल	22:41:09 घंटे
सूर्योदय	06:54:20 घंटे
सूर्यास्त	18:05:54 घंटे
दिनमान	11:11:34 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	27:46:55 मकर
लग्न के अंश	28:51:19 वृष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृष - शुक्र
राशि-स्वामी	**सिंह - सूर्य**
नक्षत्र-चरण	**पू०फाल्गुनी - 4**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	सुकर्मा
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	मूषक
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	वनचर
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	टू-टूंगर
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृष	28:51:19	341:51:10	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	---
सूर्य			मक	27:46:55	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			सिंह	26:30:40	14:51:01	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	मित्र राशि
मंगल			वृश्चि	03:45:07	00:31:59	अनुराधा	1	17	मंगल	शनि	शनि	स्वराशि
बुध	व	अ	कुंभ	03:25:40	00:59:59	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	शुक्र	सम राशि
गुरु			वृष	07:45:07	00:03:12	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	12:15:08	00:45:16	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	मंगल	उच्च राशि
शनि			वृष	00:26:31	00:01:50	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	राहु	मित्र राशि
राहु	व		मिथु	21:07:28	00:05:17	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	उच्च राशि
केतु	व		धनु	21:07:28	00:05:17	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	उच्च राशि
हर्ष			मक	26:59:48	00:03:29	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:57:45	00:02:13	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो			वृश्चि	21:03:04	00:01:11	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
दशम भाव			कुंभ	14:47:43	--	शतभिषा	--	24	शनि	राहु	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:52:06

लग्न-चलित

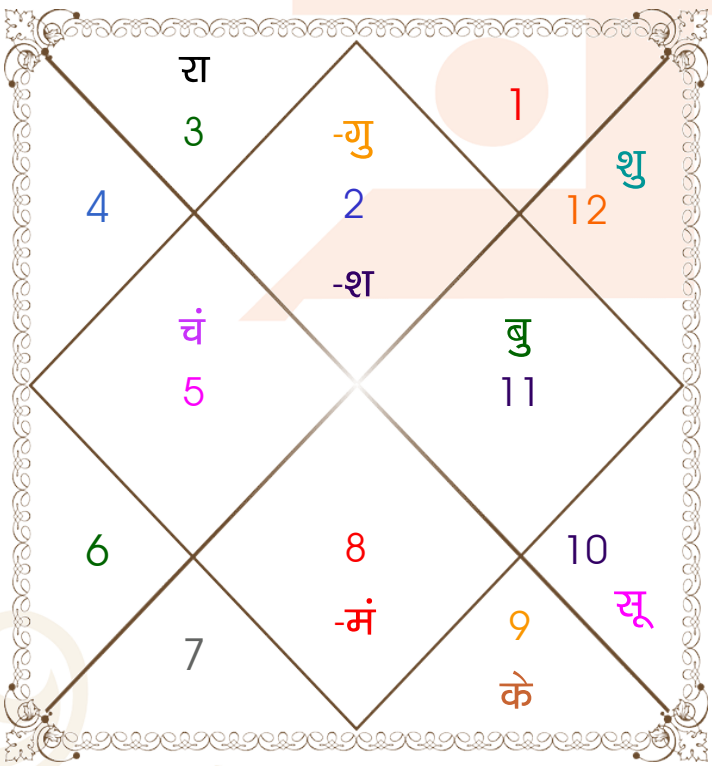

चन्द्र कुंडली

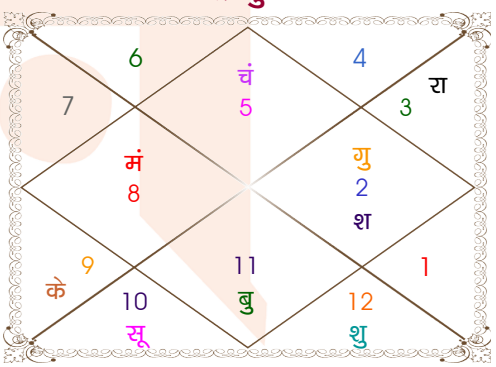

नवमांश कुंडली

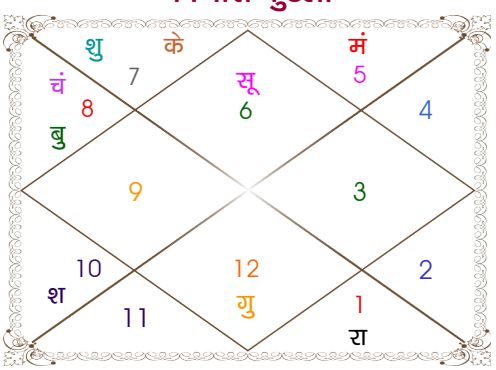

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 0 वर्ष 2 मास 24 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
10/02/2001		06/05/2001		07/05/2007		06/05/2017		06/05/2024	
06/05/2001		07/05/2007		06/05/2017		06/05/2024		06/05/2042	
	00/00/0000	सूर्य	24/08/2001	चंद्र	06/03/2008	मंगल	02/10/2017	राहु	17/01/2027
	00/00/0000	चंद्र	22/02/2002	मंगल	05/10/2008	राहु	21/10/2018	गुरु	12/06/2029
	00/00/0000	मंगल	30/06/2002	राहु	06/04/2010	गुरु	27/09/2019	शनि	18/04/2032
	00/00/0000	राहु	25/05/2003	गुरु	06/08/2011	शनि	05/11/2020	बुध	05/11/2034
	00/00/0000	गुरु	12/03/2004	शनि	06/03/2013	बुध	02/11/2021	केतु	24/11/2035
	00/00/0000	शनि	22/02/2005	बुध	06/08/2014	केतु	31/03/2022	शुक्र	23/11/2038
	00/00/0000	बुध	30/12/2005	केतु	07/03/2015	शुक्र	31/05/2023	सूर्य	18/10/2039
	10/02/2001	केतु	06/05/2006	शुक्र	05/11/2016	सूर्य	06/10/2023	चंद्र	18/04/2041
केतु	06/05/2001	शुक्र	07/05/2007	सूर्य	06/05/2017	चंद्र	06/05/2024	मंगल	06/05/2042

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
06/05/2042		06/05/2058		06/05/2077		06/05/2094		07/05/2101	
06/05/2058		06/05/2077		06/05/2094		07/05/2101		11/02/2121	
गुरु	24/06/2044	शनि	09/05/2061	बुध	03/10/2079	केतु	03/10/2094	शुक्र	06/09/2104
शनि	05/01/2047	बुध	17/01/2064	केतु	29/09/2080	शुक्र	03/12/2095	सूर्य	06/09/2105
बुध	12/04/2049	केतु	25/02/2065	शुक्र	31/07/2083	सूर्य	09/04/2096	चंद्र	08/05/2107
केतु	19/03/2050	शुक्र	27/04/2068	सूर्य	05/06/2084	चंद्र	08/11/2096	मंगल	07/07/2108
शुक्र	17/11/2052	सूर्य	09/04/2069	चंद्र	05/11/2085	मंगल	06/04/2097	राहु	08/07/2111
सूर्य	05/09/2053	चंद्र	08/11/2070	मंगल	02/11/2086	राहु	24/04/2098	गुरु	08/03/2114
चंद्र	05/01/2055	मंगल	18/12/2071	राहु	21/05/2089	गुरु	31/03/2099	शनि	07/05/2117
मंगल	12/12/2055	राहु	24/10/2074	गुरु	27/08/2091	शनि	10/05/2100	बुध	07/03/2120
राहु	06/05/2058	गुरु	06/05/2077	शनि	06/05/2094	बुध	07/05/2101	केतु	11/02/2121

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 0 वर्ष 2 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मृगशिरा नक्षत्र के द्वितीय चरण में वृष लग्नोदय काल में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कन्या नवमांश एवं मकर राशि का द्रेष्काण उदित था। फलस्वरूप इस बात का द्योतक है कि आप (जन्मकाल) बाल्यावस्था से ही निश्चित रूप से सुखी, सुलभ, स्नेहयुक्त एवं आनंन्दित जीवन व्यतीत करेंगे। आप सदैव ही नारी तथा धन से युक्त रहकर आनंद प्राप्त करेंगे।

आप सफलता प्राप्ति हेतु अंतिम क्षण तक सत्प्रयास करते रहेंगे मुख्यतः आप जीवन के 28 वें वर्ष के पश्चात् अपने परिश्रम को साकार कर लेंगे।

यद्यपि आप सहज स्वभाव के प्राणी हैं। आप में कुछ मुख्य गुण है कि आप प्रशंसनीय व्यक्ति हैं। आप उतावला होकर शीघ्रता पूर्वक कोई भी निर्णय नहीं लेतें बल्कि शांत चित्त हो खूब सोच विचार करने के पश्चात् अपने विवेक से दूसरा कदम उठाते हैं।

आप अपनी योजना को तुलनात्मक ढंग से विभिन्न प्रकारेण अनुकूलता एवं प्रतिकूलता के संबंध में विस्तारपूर्वक अध्ययनकर कार्यरूप देते हैं। इसके पश्चात् अपनी आंकाक्षा को एकाग्रचित होकर संबंधित प्रस्ताव को समर्पित करते हैं। परंतु आप यदा-कदा स्वभाव से प्रीतिपूर्वक व्यवहार करते है जो आपके लिए बोझ-स्वरूप दबाव पूर्ण हो सकता है। इसलिए आपको एक बार ऐसा विचार करना चाहिए कि अपनी बुनियादी गुण को त्याग कर ही अपने विषयक कार्य को सफलता के द्वार तक पहुंचा सकते हैं।

आपको शारीरिक सुख भोग के लिए सतत कठिन परिश्रम करके ही पुरष्कार स्वरूप धन, संपत्ति प्रतिष्ठा एवं आरामदायक जीवन व्यतीत करने का सौभाग्य प्राप्त होगा। आप एक बार प्रगति के पथ पर अग्रसर हुए तों आपकी अपेक्षित धन संचय की लालशा पूरी हो जाएगी तथा बहुत अधिक धन संचय कर लेंगे। क्योंकि आप महान कृपण हैं अतः जीवन पर्यंत धन संपत्ति संचय करते रहेंगे।

आपको बहुत धनोपार्जन हेतु सुदंर एवं अनुकूल व्यवसाय आरामदायक वस्तुओं का व्यवसाय कृषि उपस्करों का व्यवसाय, वित्तीय (लेन-देन) दलाली का व्यवसाय, कलात्मक वस्तुओं का व्यवसाय, रत्नादि एवं ट्रांसपोर्ट (मालवाहक) संबंधी कार्यों के द्वारा अतिरिक्त धन उपार्जन कर सकेंगे।

आप सदैव ही विपरीत योनि के साथ आंख मिलाते रहना चाहते हैं। आप सदैव कामुकता पूर्ण आनंद प्राप्त करना पसंद करते हैं। अंततः आपके महत्वपूर्ण एवं संवेदनशील जनेन्द्रीय को क्षति होने की आशंका है। अस्तु उत्तम यह है कि आप इस प्रवृत्ति का त्याग कर दें।

आप निरंतर सुखद एवं शांतिपूर्ण घरेलू जीवन व्यतीत करेंगे। यह संभाव्य है कि आप मुख्यतया अपना सर्वोत्कृष्ट जीवन साथी बनाएंगे।

वृष राशीय जातक को निर्देश है कि आप अपने पति/पत्नी अथवा मित्रता के लिए

उपयुक्त राशि कन्या, मकर, मीन एवं वृश्चिक राशि के जातक अनुकूल हैं। इन राशियों का योग मानवीय एवं आनंददायक होगा। आप सदैव ही अपने पारिवारिक प्रसन्नता हेतु बहुत कुछ करते रहते हैं। आप वांछनीय एवं स्वस्थ्य जीवन के लिए सभी वांछित वस्तुओं की व्यवस्था एवं समर्पण करते हैं।

यद्यपि आप विस्तृत सम्पत्ति के स्वामी होंगे। आप शांतचित्त हृष्ट-पुष्ट शरीर से युक्त, संवेदनशील एवं जीवन में कुछ समय के बाद हल्के रोगों की आशंका है। आप गले के संक्रमण, कफ एवं शीत प्रभाव से शरीर में फोड़ा-फुंसी, दाद खुजली एवं शारीरकि पीड़ा से पीड़ित रहेंगे। अस्तु समय-समय पर अपने पारिवारिक चिकित्सक से संबंधित रह कर, इन रोगों के प्रति सतर्क रहें।

सप्ताह के शुक्रवार एवं शनिवार आपके लिए अच्छा दिन है। इसके अतिरिक्त बुधवार का दिन आपके साझीदारी व्यवसाय हेतु उत्तम एवं समयोचित है। रविवार, गुरूवार सोमवार, एवं मंगलवार का दिन आपके लिए अपव्ययकारी हो सकता है।

आपके लिए अंक 2 एवं 8 अंक अनुकूल और महत्वपूर्ण है। परंतु अंक 5 आपके लिए त्याज्य है।

आपके लिए सभी रंगों में सुंदर एवं अति उत्तम रंग सफेद, हरा एवं गुलाबी रंग है। रंग लाल आपके लिए त्याज्य है।